



न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी
गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 410

दर्ज तिथि:-18.06.2025

1. देवाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
2. विरधाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
3. मानाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
4. प्रहलादराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
जाति राईका निवासी धांधलावास तहसील गुडामालानी

.....वादी

1. अना पुत्र सोना
2. बगता पुत्र सोना
3. निम्बा पुत्र सोना
4. वीरा पुत्र सोना
5. पुराराम पुत्र दुर्गा
6. नवाराम पुत्र दुर्गा
7. हीराराम पुत्र दुर्गा
जाति राईका निवासी धांधलावास तहसील गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

8. शाखा प्रबंधक पीएनबी बैंक शाखा गुडामालानी
9. शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक शाखा गुडामालानी
10. तहसीलदार गुडामालानी जिला बाड़मेर।

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता
वादी:- श्री गंगाराम चौधरी
प्रतिवादीगण:- श्री नारायण कुमावत

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-निर्णय:-

निर्णय तिथि:- 29.05.2026

- 1 आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा- 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 101/29623 है0, 136/0.0243 है0, 137/128285 है0 मौजा धांधलावास पटवार हल्का नगर तहसील गुडामालानी में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादी एवं प्रतिवादीगण असल की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है।
- 2 तत्पश्चात प्रकरण में दिनांक 04.12.2025 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुडामालानी से कुर्रजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुडामालानी के पत्राक/कोर्ट/2025/1918 दिनांक 19.01.2026 द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। तहसीलदार गुडामालानी के पत्राक/कोर्ट/2025/1918 दिनांक 19.01.2026 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्राक्धान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</p> <p>The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 13.01.2026 को तहसीलदार गुडामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारों को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुडामालानी के नोटिस क्रमांक 2773-2783 दिनांक 19.12.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 13.01.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p> <p>2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुडामालानी के नोटिस क्रमांक 2773-2783 दिनांक 19.12.2025 द्वारा</p>

	मौका निरीक्षण की दिनांक 13.01.2026 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
--	---

3. तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित कुर्रैजात रिपोर्ट मय नजरी नक्शा पर अधिवक्ता उभय पक्षकारान की बहस सुनी गई। प्रकरण में कुर्रैजात रिपोर्ट मय नजरी नक्शा पर अधिवक्ता प्रतिवादी द्वारा आपत्ति पेश कर परिशिष्ट 'अ' अनुसार विभाजन किये जाने का निवेदन किया गया। प्रकरण में प्रतिवादी की दो प्रकार से आपत्ति प्रस्तुत की है। प्रथम आपत्ति है कि प्रस्तावित कुर्रैजात रिपोर्ट में प्रस्तावित किये गये रास्ते को खसरा संख्या 137 व खसरा संख्या 138 के सेढे पर खसरा संख्या 137 की सीमा में होकर दर्ज किया जावे। इस आपत्ति पर दोनों पक्ष सहमत हैं। हालांकि उक्त कुर्रैजात रिपोर्ट में प्रस्तावित मार्ग भविष्य के बंटवारे एवं मौके पर कब्जा काश्त को ध्यान में रखते हुए उक्त आपत्ति तथ्यहीन होने के आधार पर अस्वीकार की जाती है।
4. प्रकरण में द्वितीय आपत्ति है कि खसरा संख्या 137 में प्रतिवादीगण हेतु प्रस्तावित भूमि में एक खांचे के रूप वादीगण हेतु भूमि प्रस्तावित की गई है। अतः खसरा संख्या 137 में वादी हेतु प्रस्तावित भूमि के खांचे में अवस्थित रकबा 02 बीघा भूमि को खसरा संख्या 101 में वादीगण को दी जावे। तत्पश्चात् स्वयं पीठासीन अधिकारी द्वारा पक्षकारान की उपस्थिति में वादग्रस्त आराजी का मौका निरीक्षण किया गया। प्रकरण में वक्त मौका निरीक्षण यह ध्यान में आया कि खसरा संख्या 101 धोरों वाली भूमि होने के कारण खसरा संख्या 137 के समान किस्म की भूमि नहीं होने के आधार पर उक्त वादी हेतु खसरा संख्या 137 में प्रस्तावित 02 बीघा भूमि वादी खसरा संख्या 101 में लेने हेतु सहमत नहीं है। अतः प्रकरण में खसरा संख्या 137 एवं 101 की भूमि समान तरह की नहीं होने एवं खसरा संख्या 101 की भूमि धोरों वाली होने के आधार पर प्रतिवादीगण की उक्त आपत्ति भी काबिल-ए-खारिज होने के आधार पर अस्वीकार की जाती है।
5. तत्पश्चात् प्रकरण में बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075-2078 तथा कुर्रैजात रिपोर्ट एवं कुर्रैजात व नजरी नक्शा पर का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण संयुक्त आराजी खसरा संख्या 101/2.9623 है0, 136/0.0243 है0, 137/12.8285 है0 मौजा धांधलावास पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात् अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित कुर्रैजात रिपोर्ट मय नक्शा के अनुसार उक्त

विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा-ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

6. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

188. Injunction against wrongful ejection—

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

7. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई है:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

8. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादी व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

9. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं 101/2.9623 है0, 136/0.0243 है0, 137/12.8285 है0 मौजा धांधलावास पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा ट्रेस तथा नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
देवाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4	धांधलावास	101	1.4811 है0	बा0सो0

प्रहलादराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4		137	5.1144 है0	बा0दो0
मानाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4				
विस्धाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4		137	1.2335 है0	बा0दो0
कुल किता 3 रकबा 7.8290 है0					
नीम्बा पुत्र सोना	1/5	धांधलावास	101	1.4812 है0	बा0सो0
अना पुत्र सोना रहन पीएनबी गुडामालानी	1/5		136	0.0243 है0	गै0मु0
बगता पुत्र सोना	1/5		137	5.0901 है0	बा0दो0
वीरा पुत्र सोना रहन एसबीआई गुडामालानी	1/5		137	1.2335 है0	बा0दो0
हीराराम पुत्र दुर्गाराम	1/15				
पूराराम पुत्र दुर्गाराम	1/15				
नवाराम पुत्र दुर्गाराम जाति राईका सा0 देह खातेदार	1/15				
कुल किता 4 रकबा 7.8291 है0					
अना पुत्र सोना रहन पीएनबी शाखा गुडा	1/10	धांधलावास	137	0.1570 है0	गै0मु0 रास्ता
देवाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/8				
नवाराम पुत्र दुर्गाराम	1/30				
नींबा पुत्र सोना	1/10				
प्रहलादराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/8				
पूराराम पुत्र दुर्गाराम	1/30				
बगता पुत्र सोना	1/10				
मानाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/8				
विस्धाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/8				
वीरा पुत्र सोना रहन एसबीआई गुडा	1/10				
हीराराम पुत्र दुर्गाराम कौम राईका सा0 देह खातेदार	1/30				
कुल किता 1 रकबा 0.1570 है0 गै0मु0 रास्ता सार्वजनिक प्रयोजनार्थ					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है

देवाराम बनाम अनाराम

2025 / 410

निर्णय दिनांक:-29.05.2026

तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

कुर्रेजात व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुडामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 29.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)

सहायक कलक्टर

गुडामालानी





न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी
गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 410

दर्ज तिथि:-18.06.2025

1. देवाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
2. विरधाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
3. मानाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
4. प्रहलादराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम
जाति राईका निवासी धांधलावास तहसील गुडामालानी

.....वादी

- बनाम**
1. अना पुत्र सोना
 2. बगता पुत्र सोना
 3. निम्बा पुत्र सोना
 4. वीरा पुत्र सोना
 5. पुराराम पुत्र दुर्गा
 6. नवाराम पुत्र दुर्गा
 7. हीराराम पुत्र दुर्गा
जाति राईका निवासी धांधलावास तहसील गुडामालानी

.....असल प्रतिवादीगण

8. शाखा प्रबंधक पीएनबी बैंक शाखा गुडामालानी
9. शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक शाखा गुडामालानी
10. तहसीलदार गुडामालानी जिला बाड़मेर।

.....तरतीबी प्रतिवादी

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री गंगाराम चौधरी

प्रतिवादीगण:- श्री नारायण कुमावत

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादीगण अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं 101/2.9623 है0, 136/0.0243 है0, 137/12.8285 है0 मौजा धांधलावास पटवार हल्का नगर तहसील गुड़ामालानी मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा ट्रेस तथा नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वाद डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	हिस्सा	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म			
देवाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4	धांधलावास	101	1.4811 है0	बा0सो0			
प्रहलादराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4		137	5.1144 है0	बा0दो0			
मानाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4		137	1.2335 है0	बा0दो0			
विस्धाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/4							
कुल किता 3 रकबा 7.8290 है0								
नीम्बा पुत्र सोना	1/5	धांधलावास	101	1.4812 है0	बा0सो0			
अना पुत्र सोना रहन पीएनबी गुड़ामालानी	1/5							
बगता पुत्र सोना	1/5							
वीरा पुत्र सोना रहन एसबीआई गुड़ामालानी	1/5							
हीराराम पुत्र दुर्गाराम	1/15					136	0.0243 है0	गै0मु0
पूराराम पुत्र दुर्गाराम	1/15					137	5.0901 है0	बा0दो0
नवाराम पुत्र दुर्गाराम जाति राईका सा0 देह खातेदार	1/15					137	1.2335 है0	बा0दो0
कुल किता 4 रकबा 7.8291 है0								
अना पुत्र सोना रहन पीएनबी शाखा गुड़ा	1/10	धांधलावास	137	0.1570 है0	गै0मु0 रास्ता			
देवाराम पुत्र नरींगाराम उर्फ नरसीराम	1/8							
नवाराम पुत्र दुर्गाराम	1/30							

नींबा पुत्र सोना	1 / 10				
प्रहलादराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम	1 / 8				
पूराराम पुत्र दुर्गाराम	1 / 30				
बगता पुत्र सोना	1 / 10				
मानाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम	1 / 8				
विरधाराम पुत्र नरीगाराम उर्फ नरसीराम	1 / 8				
वीरा पुत्र सोना रहन एसबीआई गुड़ा	1 / 10				
हीराराम पुत्र दुर्गाराम कौम राईका सा0 देह खातेदार	1 / 30				
कुल किता 1 रकबा 0.1570 है0 गै0मु0 रास्ता सार्वजनिक प्रयोजनार्थ					

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज पृथक खाता आराजी पर जबरन कब्जा व बेदखली न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

कुर्रैजात व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 29.05.2026 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढामालानी